



Scan to Read in
Details

नया आकार, नई प्रस्तुति!

प्रिय पाठकों,
अमृत उजाला को और अधिक पाठक-
अनुकूल, सहज और आधुनिक बनाने की
दिशा में हमने आज से एक महत्वपूर्ण
बदलाव किया है। अब अमृत उजाला
ब्रॉडशीट से बदलकर 4-पेज टैबलॉयड
ईवनिंग ई-पेपर के रूप में आपके बीच है।

हमारा उद्देश्य है—कम समय में दिनभर
की महत्वपूर्ण, विश्वसनीय और उपयोगी
खबरें, बेहतर प्रस्तुति और आसान पढ़ने
के अनुभव के साथ आप तक पहुंचाना।

नया आकार, नई प्रस्तुति और वही
विश्वसनीयता—अमृत उजाला।

आपका विश्वास हमारी सबसे बड़ी
ताकत है।

सादर,

डॉ. अखंड प्रताप सिंह

प्रधान संपादक—अमृत उजाला

यूपी में 38 अफसरों के तबादले, प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक
व्यवस्था में बड़ा फेरबदल करते हुए 38
अधिकारियों के तबादले किए हैं। तबादला सूची
में कई जिलों के अपर जिलाधिकारी समेत अन्य
प्रशासनिक अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां
सौंपी गई हैं। शासन के इस फैसले के बाद प्रदेश
के कई जिलों में प्रशासनिक स्तर पर बदलाव
देखने को मिलेगा। तबादला सूची के अनुसार
रामजी मिश्रा को लखनऊ का अपर
जिलाधिकारी (ADM) नियुक्त किया गया
है। वहीं शिवानी सिंह का तबादला जालौन किया
गया है। इसके अलावा चंद्र कुमार को देवरिया
भेजा गया है। शासन ने अधिकारियों को उनकी
नई तैनाती वाले स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने
के निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि इस
फेरबदल का उद्देश्य जिलों में प्रशासनिक
कामकाज को और अधिक प्रभावी बनाना तथा
अधिकारियों को उनकी नई जिम्मेदारियों के
अनुरूप तैनाती देना है। 38 अधिकारियों की
पूरी तबादला सूची में अलग-अलग जिलों में
तैनात अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं।
नए अधिकारियों के कार्यभार संभालने के साथ
संबंधित जिलों में प्रशासनिक कामकाज की
जिम्मेदारियों में भी बदलाव होगा।

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता एशियन गेम्स क्रिकेट का गोल्ड

फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराया, अभिषेक और तिलक ने जड़ी अर्धशतकीय पारियां

एजेंसी

भारत ने एशियन गेम्स में क्रिकेट का गोल्ड
मेडल लगातार दूसरी बार अपने नाम कर लिया।
फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान
को 19 रन से हराकर स्वर्ण पदक जीता।
रोमांचक मुकाबले में भारत ने बल्लेबाजी और
गेंदबाजी दोनों में शानदार प्रदर्शन किया। भारत
ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों
में मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की पारी
को अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा की
अर्धशतकीय पारियों ने मजबूती दी। दोनों
बल्लेबाजों ने पाकिस्तान के गेंदबाजों पर



दाबा बनाते हुए तेजी से रन जुटाए और टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का

पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने
शुरुआत में मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा,
लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने अहम मौकों पर
विकेट निकालकर पाकिस्तान की रन गति पर
अंकुश लगा दिया। भारतीय गेंदबाजों के
अनुशासित प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान
निर्धारित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सका और 19
रन से मुकाबला गंवा बैठा। इस जीत के साथ
भारत ने एशियन गेम्स में क्रिकेट का स्वर्ण
पदक बरकरार रखा। फाइनल में अभिषेक
शर्मा और तिलक वर्मा की बल्लेबाजी के साथ
गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन ने भारत की
जीत में अहम भूमिका निभाई।

नायरा एनर्जी ने पेट्रोल का दाम 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ाई

नई दिल्ली। निजी ईंधन कंपनी नायरा एनर्जी ने
देशभर में फैले अपने नेटवर्क पर पेट्रोल में 5
रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 3 रुपए प्रति
लीटर की बढोतरी शनिवार से लागू की है। इसकी
वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी होना है।
यह जानकारी इंडस्ट्री के सूत्रों की ओर से दी गई।
नई कीमतों के जरिए नायरा एनर्जी की कोशिश
बढ़ी हुई लागत और बिक्री मूल्य में अंतर को
कम करना है। मौजूदा दौर में कच्चे तेल की
कीमतों के ऊपर जाने के कारण पेट्रोल और
डीजल की लागत तेजी से बढ़ी है। देश में 7,000
से ज्यादा पेट्रोल पंप चलाने वाली नायरा एनर्जी
की ओर से इस साल दूसरी बार ईंधन की कीमतों
में बढोतरी की है। इससे पहले मार्च में, पश्चिम
एशिया में तनाव के कारण आपूर्ति में रुकावट
आने पर कंपनी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें
बढ़ाई थीं, लेकिन जुलाई में कच्चे तेल की कीमतें
कम होने पर यह बढोतरी वापस ले ली थी।

तिरुपति की कंपनी में बॉयलर फटा, 4 मजदूरों की मौत श्री सिटी औद्योगिक क्षेत्र में हादसे से मची अफरा-तफरी, कई मजदूर घायल

एजेंसी

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के
तिरुपति जिले के श्री सिटी
औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार को
एक निजी कंपनी में बॉयलर
फटने से बड़ा हादसा हो गया।
तेज धमाके की चपेट में आने
से चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई
अन्य घायल बताए जा रहे हैं। बताया गया कि
हादसा श्री सिटी स्थित एक कंपनी के परिसर
में हुआ। काम के दौरान अचानक पानी का
बॉयलर फट गया। विस्फोट इतना तेज था कि
आसपास मौजूद मजदूरों में अफरा-तफरी मच
गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और
दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं।
हादसे में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो



गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दो अन्य
मजदूरों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम
तोड़ दिया। घायलों को तत्काल नजदीकी
अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका
उपचार चल रहा है।

हादसे के कारणों की जांच शुरू

घटना के बाद पुलिस और संबंधित विभाग
के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच
शुरू कर दी है। बॉयलर में विस्फोट किस
वजह से हुआ, फिलहाल इसकी स्पष्ट
जानकारी सामने नहीं आई है। तकनीकी
खामी या सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं
की भी जांच की जा रही है। प्रशासन ने
घटना को गंभीरता से लेते हुए राहत और
बचाव कार्य शुरू कराया है। हादसे के बाद
कंपनी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की भी
जांच की जा रही है।

यूपी में 15 अक्टूबर से शुरू होगी धान खरीद 2,441 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा भाव

सरकारी क्रय केंद्रों पर होगी खरीद, किसानों को समर्थन मूल्य के अनुसार भुगतान

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खरीफ
विपणन वर्ष 2026-27 के लिए
धान की सरकारी खरीद 15 अक्टूबर
से शुरू होने जा रही है। सरकार ने
किसानों से धान खरीदने के लिए
तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं।
सरकारी क्रय केंद्रों के माध्यम से
किसानों से निर्धारित मानकों के अनुसार धान
खरीदा जाएगा। सरकार की ओर से धान का
खरीद मूल्य 2,441 रुपये प्रति क्विंटल
निर्धारित किया गया है। किसान अपनी उपज
को सरकारी क्रय केंद्रों पर बेच सकेंगे और
निर्धारित दर के अनुसार भुगतान प्राप्त करेंगे।
धान खरीद को लेकर संबंधित विभागों को



क्रय केंद्रों की व्यवस्था,
किसानों के पंजीकरण तथा
खरीद प्रक्रिया को सुचारु
बनाए रखने के निर्देश दिए गए
हैं। किसानों को सलाह दी गई
है कि वे सरकारी केंद्र पर धान
बेचने से पहले आवश्यक
पंजीकरण और दस्तावेज
संबंधी प्रक्रिया पूरी कर लें।

किसानों को समय पर भुगतान पर जोर

सरकार ने धान खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने और किसानों को उनकी उपज का भुगतान
समय पर उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। क्रय केंद्रों पर धान की गुणवत्ता की जांच निर्धारित
मानकों के अनुसार की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, धान खरीद शुरू होने के साथ ही प्रदेश
के विभिन्न जिलों में क्रय केंद्र सक्रिय हो जाएंगे। किसानों की सुविधा के लिए खरीद व्यवस्था
की निगरानी भी की जाएगी, ताकि उन्हें उपज बेचने में किसी तरह की परेशानी न हो।

Not
all keys
open the
same life

Choose the one that
leads to better living

Invest
in Dholera, Gujarat

9580456295

Graphics are for illustration only. Actual design may vary.*



प्रेमानंद महाराज के आश्रम को लेकर उठे सवाल शिष्य की मौत के बाद युवती और बच्चा भी लापता

खेलते-खेलते बिजली के तार की चपेट में आया मासूम

● 17 वर्षीय युवक की तलाश में परिजन आश्रम पहुंचे, नोएडा की युवती और ढाबे पर काम करने वाली महिला का 10 वर्षीय बेटा भी नहीं मिला

अमृत उजाला संवाददाता

मथुरा। वृंदावन स्थित प्रेमनंद महाराज के आश्रम से जुड़े मामलों को लेकर चर्चा बढ़ गई है। एक शिष्य की मौत के बाद अब 17 वर्षीय युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। इसके अलावा नोएडा से आश्रम पहुंची एक युवती और आश्रम के बाहर ढाबे पर काम करने वाली महिला का 10 वर्षीय बेटा भी लापता बताया जा रहा है। इसी बीच नोएडा के सेक्टर-56 निवासी एक परिवार ने अपनी 38 वर्षीय बेटी विभा के लापता होने की जानकारी दी है। बताया गया कि विभा 15 अगस्त को घर से प्रेमनंद महाराज के आश्रम जाने के लिए निकली थीं। वह आश्रम में दीक्षा



17 वर्षीय युवक की तलाश में परिजन पहुंचे आश्रम

जानकारी के अनुसार, 17 वर्षीय अनुज चौधरी प्रेमनंद महाराज से दीक्षा लेने के लिए वृंदावन आया था। इसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। परेशान परिजन उसकी तलाश में वृंदावन पहुंचे और आश्रम के बाहर धरने पर बैठ गए। परिवार ने युवक को जल्द सकुशल बरामद करने की मांग की है।

लेना चाहती थीं। इसके बाद परिवार का उनसे संपर्क नहीं हो सका। परिजनों ने पुलिस में

गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। आश्रम के बाहर एक ढाबे पर खाना बनाने वाली

शिष्य की मौत के बाद बड़ी चर्चा

इससे पहले आश्रम से जुड़े एक शिष्य दीपक पटेल उर्फ रसिक दुलारी शरण की मौत का मामला भी सामने आया था। रिपोर्ट के मुताबिक, वह एक इमारत की चौथी मंजिल से गिर गया था और अस्पताल ले जाने पर उसकी मौत हो गई थी। इन घटनाओं के बाद आश्रम को लेकर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, लापता लोगों के मामलों और आश्रम के बीच किसी सीधे संबंध की अभी पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित शिकायतों और पुलिस जांच के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

महिला ने भी अपने 10 वर्षीय बेटे वंश के लापता होने की बात कही है। महिला के मुताबिक, वह कुछ दिन के लिए अपने गांव गई थी और बेटे को ढाबे पर छोड़ गई थी। वापस लौटने पर बच्चा वहां नहीं मिला।

भारी बारिश से क्षतिग्रस्त बिजली और सड़कों को जल्द दुरुस्त कराने के निर्देश, सीएम योगी सख्त

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में भारी बारिश के कारण बिजली और सड़क व्यवस्था प्रभावित होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को जल्द व्यवस्थाएं सामान्य करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बारिश से क्षतिग्रस्त बिजली के खंभों और तारों की तत्काल मरम्मत कराने के साथ प्रभावित इलाकों में विद्युत आपूर्ति जल्द बहाल करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त विद्युत ढांचे का आकलन कर मरम्मत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। खंभों, तारों और अन्य उपकरणों को दुरुस्त कर बिजली आपूर्ति



बहाल करने पर जोर दिया गया है। हाल की बारिश से प्रदेश के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी और कई स्थानों पर पेड़ गिरने तथा विद्युत लाइनों को नुकसान पहुंचने से आपूर्ति प्रभावित हुई। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने बारिश से खराब हुई सड़कों की भी तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं।

उनका जोर क्षतिग्रस्त मार्गों को जल्द आवागमन योग्य बनाने और यातायात व्यवस्था सामान्य करने पर है। इससे पहले भी बारिश और बाढ़ से खराब सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर मोटोरेबल बनाने और जरूरत के अनुसार स्थायी मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से बिजली और सड़क जैसी जरूरी सुविधाओं को जल्द सामान्य करने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में मरम्मत और बहाली के काम को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लोगों को बिजली संकट और खराब सड़कों के कारण लंबे समय तक परेशानी का सामना न करना पड़े।

काशी विश्वनाथ मंदिर का इतिहास अब NCERT पाठ्यक्रम में भी होगा शामिल

मंदिर के ऐतिहासिक घटनाक्रम से लेकर वर्तमान स्वरूप तक की जानकारी पढ़ेंगे विद्यार्थी
अमृत उजाला संवाददाता

वाराणसी। काशी विश्वनाथ मंदिर से जुड़ा महत्वपूर्ण ऐतिहासिक विवरण अब स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बने जा रहा है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की नई सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में विद्यार्थियों को काशी विश्वनाथ मंदिर के इतिहास और उससे जुड़े प्रमुख घटनाक्रमों की जानकारी दी जाएगी। जानकारी के अनुसार, नई सामाजिक विज्ञान की किताब में काशी विश्वनाथ मंदिर के इतिहास, समय-समय पर हुए बदलाव और इसके वर्तमान स्वरूप से जुड़े विषयों को शामिल किया जा रहा है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को काशी और विश्वनाथ मंदिर के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराया जाएगा। NCERT की ओर से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9 समेत विभिन्न कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों और पाठ्यक्रम में बदलाव किए जा रहे हैं। इनमें भारतीय इतिहास, समाज, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े विषयों को प्रमुखता दी जा रही है।



इतिहास के विभिन्न पहलुओं की जानकारी

नई पाठ्यपुस्तकों में भारतीय इतिहास, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े विषयों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में काशी विश्वनाथ मंदिर से संबंधित ऐतिहासिक घटनाक्रम को भी पाठ्यक्रम में जगह दी जा रही है। विद्यार्थियों को मंदिर के इतिहास के साथ-साथ काशी की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में भी जानकारी मिलेगी। पाठ्यक्रम में विषयों को शामिल करने का उद्देश्य छात्रों को ऐतिहासिक घटनाओं और उनके संदर्भ को समझने का अवसर देना है।

गोमती नदी का पानी रिवरफ्रंट तक पहुंचा, प्रवेश पर लगाई रोक

जलस्तर बढ़ने के बाद प्रशासन सतर्क, लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध



अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से बहने वाली गोमती नदी इन दिनों उफान पर है। नदी का जल स्तर इतना बढ़ गया है कि गोमती रिवर फ्रंट में भी पानी भर गया है, जिसके चलते यहां पर्यटकों की आवाजाही भी बंद कर दी गई है। नदी का पानी बढ़ने से रिवर फ्रंट के दोनों तरफ पाथ-वे समेत कई हिस्सों में जलभराव हो गया। जिसे देखते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण ने ये क्रदम उठाया है। गोमती रिवर फ्रंट लखनऊ शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां बड़ी संख्या में लोग घूमने और सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए आते हैं। लेकिन पहाड़ों पर हो रही बारिश और अलग-अलग बैराजों से छोड़े गए

टिकटिंग भी पूरी तरह बंद

सुरक्षा के मद्देनजर रिवर फ्रंट में आम लोगों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। इस दौरान टिकटिंग पूरी तरह बंद रहेगी और किसी भी आगंतुक को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। एलडीए अधिकारियों के मुताबिक, नदी का जलस्तर सामान्य होने और स्थिति की समीक्षा के बाद रिवर फ्रंट को दोबारा खोला जाएगा।

पानी की वजह से लखनऊ में इसका जलस्तर काफी बढ़ गया है और ये खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। जिसके चलते प्राधिकरण ने लोगों की सुरक्षा को देखते हुए रिवर फ्रंट को अग्रिम आदेशों तक बंद कर दिया है।

गोमती रिवर फ्रंट पर भरा पानी

जानकारी के मुताबिक गोमती रिवर फ्रंट के निचले हिस्सों तक नदी का पानी पहुंच गया है। ऐसे में पर्यटकों के घूमने के लिए बनाए गए पाथवे, जॉइंटिंग ट्रैक, ग्रीनरी लॉन और बैठने की शेड्स भी पानी में डूब गए हैं। बोट्स प्वाइंट के पास भी पानी भर गया है। जिसके बाद पार्क की सुरक्षा को देखते हुए फ्रंट के सभी एंट्री गेटों पर ताला लगा दिया गया है। गोमती रिवर फ्रंट का लोकार्पण पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने साल 2016 में किया था। ये उनका ड्रीम प्रोजेक्ट भी माना जाता रहा है। करीब 8 किलोमीटर के दायरे में फैले हैं। प्राधिकरण के मुताबिक रिवर फ्रंट के LHS और RHS दोनों हिस्सों में गोमती का पानी बढ़ने से पाथ-वे आदि स्थानों पर जलभराव हो गया। हालांकि, अभी तक किसी तरह की क्षति की सूचना नहीं है।



जल्द 50 हजार छात्राओं को मिलेगी स्कूटी: सीएम योगी 4.60 लाख छात्रों को स्कॉलरशिप दी

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार बेटियों की शिक्षा और उनके सशक्तीकरण को लेकर लगातार योजनाएं चला रही है। इसी क्रम में जल्द ही 50 हजार छात्राओं को स्कूटी वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूटी मिलने से छात्राओं को स्कूल और कॉलेज आने-जाने में सुविधा होगी तथा उन्हें अपनी पढ़ाई जारी रखने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के 4.60 लाख विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरित की। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को पढ़ाई में सहयोग देना है, ताकि आर्थिक परेशानी उनकी शिक्षा में बाधा न बने। योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों से छात्रवृत्ति की राशि का सही उपयोग करने की अपील की। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि छात्रवृत्ति का पैसा गुटखा-चाट में खर्च न कर देना, बल्कि इसे अपनी पढ़ाई, किताबों और भविष्य को बेहतर बनाने में इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न रहे। छात्रवृत्ति, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगारपरक योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। छात्राओं को



मंत्रियों को समय पर स्कॉलरशिप नहीं मिली इसलिए नेता बने

सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले कम छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती थी। अगर ओमप्रकाश राजभर को समय पर छात्रवृत्ति मिल जाती तो वे भी आपकी तरह होनहार बनते, नेता नहीं बनते। उस समय की सरकार ने छात्रवृत्ति नहीं दी इसलिए पढ़ नहीं पाए। मेहनत और संघर्ष किया, जनता की आवाज बनकर लड़ते रहे, फिर मंत्री बन गए। उन्होंने श्री व्हीलर और टैक्सी भी चलाई है। राजभर की तरह संजीव कुमार गोंड हैं, वे भी सोनभद्र के जंगल में भटकते थे। फिर जनता की आवाज बन गए। आज मंत्री हैं। असीम अरुण पढ़ाई कर IPS बने, ADG रैंक पर थे, कानपुर के पुलिस कमिश्नर थे। इस्तीफा देकर चुनाव लड़ा, आज मंत्री हैं। दानिश आजाद, नरेंद्र कश्यप आज मंत्री हैं। यानी अगर प्रयास ईमानदारी से होगा तो परिणाम भी आएगा।

2017 से पहले सरकार एससी-एसटी छात्रों की स्कॉलरशिप डकार गई

योगी ने कहा कि आज जीरो बैलेंस पर खाता खुलता है। 2017 से पहले क्या स्थिति थी, उस समय एससी-एसटी के छात्रों की छात्रवृत्ति ही नहीं भेजी गई, सरकार उस पैसे को खा गई। छात्रवृत्ति ही डकार गए। जब 2017 में मेरे संज्ञान में आया तो हमने दो साल की छात्रवृत्ति एक साथ दी। सरकार की नियत साफ हो तो छात्रों को बेहतर सुविधा दी जा सकती है।

स्कूटी उपलब्ध कराने जैसी योजनाओं से उनकी शिक्षा तक पहुंच आसान होगी और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के संस्थानों तक आने-जाने में सुविधा मिलेगी।

उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने और सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधाओं का सदुपयोग कर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

क्या सपा-कांग्रेस गठबंधन में बाधक बन रहे थे अजय राय?

अमृत उजाला संवाददाता



नई टीम में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने प्रदेश संगठन में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी ने अजय राय को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर रामपुर खास से विधायक आराधना मिश्रा 'मोना' को नई जिम्मेदारी सौंपी है। सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद को प्रदेश कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा राजेंद्र पाल गौतम को प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

कांग्रेस के इस संगठनात्मक फेरबदल को सपा के साथ गठबंधन और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हालांकि, यह कहना कि अजय राय को केवल सपा-कांग्रेस गठबंधन में कथित बाधा के कारण हटाया गया, पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। उपलब्ध रिपोर्टों में संगठन के भीतर मतभेद और गठबंधन को लेकर अलग-अलग रुख का भी उल्लेख किया गया है। अजय राय अगस्त 2023 से उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे। इस दौरान लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे समेत कई मुद्दों पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच बातचीत हुई। जुलाई 2026 में अजय राय और प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि कांग्रेस और सपा का गठबंधन कायम है और दोनों दल 2027 का चुनाव मिलकर लड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके बावजूद हाल के महीनों में कांग्रेस के भीतर संगठन और सीट बंटवारे को लेकर अलग-अलग विचार सामने आते रहे। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया कि अजय राय गठबंधन के मुद्दे पर अपेक्षाकृत सख्त रुख रखते थे। वहीं कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के साथ उनके मतभेद की भी चर्चा रही।

आराधना मिश्रा 'मोना' को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के साथ कांग्रेस ने संगठन में सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का संतुलन बनाने की कोशिश की है। प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से तीन बार की विधायक आराधना मिश्रा वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी की बेटी हैं। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आने वाले सहारनपुर सांसद इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। देवेन्द्र निषाद और आलोक प्रसाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। राजनीतिक विश्लेषणों में इस बदलाव को कांग्रेस के सामाजिक आधार को व्यापक करने और सपा के साथ तालमेल के लिए संगठन को नए सिरे से तैयार करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। नए संगठन में ब्राह्मण, मुस्लिम, दलित और पिछड़े वर्गों को प्रतिनिधित्व दिए जाने की चर्चा है।

अब आगे क्या?

आराधना मिश्रा के सामने प्रदेश संगठन को चुनावी मोड़ में लाने की चुनौती होगी। वहीं कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत भी महत्वपूर्ण होगी। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम पहले ही विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं। ऐसे में गठबंधन की बातचीत में दोनों दलों की सीटों को लेकर स्थिति अहम मुद्दा बन सकती है।

श्रावस्ती में भारी बारिश से 2110 बिजली के पोल और 45 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त 350 गांवों में बहाल हुई आपूर्ति

अमृत उजाला संवाददाता

श्रावस्ती। 24 और 25 सितंबर को हुई भारी बारिश, तेज हवा और अतिवृष्टि से जिले में विद्युत विभाग को भारी नुकसान हुआ है। अधिशायी अभियंता विद्युत राज नारायण के अनुसार, दैवीय आपदा के चलते श्रावस्ती को बिजली आपूर्ति करने वाले 13 विद्युत उपकेंद्रों की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई थी। इस दौरान जिले में 2110 विद्युत पोल और विभिन्न क्षमता के 45 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है। मौसम सामान्य होते ही विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए उपकेंद्रवार टीमें गठित कर मरम्मत कार्य शुरू कराया गया। विभाग के मुताबिक अब तक 535 टूटे हुए विद्युत पोल बदले जा चुके हैं। इसके साथ ही 33 नए ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं, जिससे 350 प्रभावित गांवों में बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार शेष प्रभावित गांवों में विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए विभागीय



कर्मचारियों और कार्यदायी संस्था की टीमें युद्धस्तर पर काम कर रही हैं। वहीं पावर कॉरपोरेशन निगम मुख्यालय की ओर से टूटे पोल को बदलने के लिए चरणबद्ध तरीके से

सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में श्रावस्ती को अब तक अतिरिक्त 610 बिजली के पोल आवंटित किए जा चुके हैं। विद्युत विभाग का कहना है कि भंडार केंद्र पर लाइन सामग्री आवश्यकतानुसार उपलब्ध है। क्षतिग्रस्त पोल और ट्रांसफार्मर को जल्द बदलकर शेष गांवों में भी विद्युत आपूर्ति सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। विभागीय टीमें लगातार मरम्मत कार्य में जुटी हैं और काम प्रगति पर है।

श्रावस्ती में छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम, विधायक राम फेरन पांडेय ने बांटे स्वीकृति प्रमाण पत्र

अमृत उजाला संवाददाता

श्रावस्ती। वित्तीय वर्ष 2026-27 की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत जगतजीत इंटर कॉलेज में छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक राम फेरन पांडेय ने मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना के तहत पात्र छात्र-छात्राओं को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए। इस दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। विधायक राम फेरन पांडेय ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने माता-पिता का नाम रोशन करने के साथ श्रावस्ती का नाम भी आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी अपने भविष्य को बेहतर दिशा दे सकते हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रदेश स्तर पर 4.60 लाख से अधिक विद्यार्थियों को 148 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति दी जा रही है। योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों के बैंक खातों में राशि सीधे भेजने की व्यवस्था है। इससे



विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़े खर्चों में आर्थिक सहायता मिल सकेगी। इस अवसर पर जगतजीत इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य राम बिहारी वाजपेयी, भाजपा युवा नेता आशुतोष पांडेय, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गिलौला प्रकाश चंद्र, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज दुबे, विनय तिवारी, राहुल मणि त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति गंभीरता और अपने लक्ष्य के लिए निरंतर मेहनत करने का संदेश दिया गया।

शिक्षक दंपती हत्याकांड का 48 घंटे बाद भी खुलासा नहीं, शिक्षकों में आक्रोश

अमृत उजाला संवाददाता

सुल्तानपुर। शिक्षक दंपती स्व. मुकेश सिंह और विनीता सिंह हत्याकांड का पुलिस की ओर से निर्धारित 48 घंटे की अवधि बीतने के बाद भी खुलासा नहीं हो सका है। मामले में अब शिक्षक समुदाय में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शिक्षक संगठनों की बैठक में हत्याकांड का जल्द खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की गई। बैठक

में निर्णय लिया गया कि शनिवार को जिले के शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करेंगे। संगठनों का कहना है कि इस माध्यम से शिक्षक समुदाय शांतिपूर्ण तरीके से अपनी नाराजगी और न्याय की मांग शासन-प्रशासन तक पहुंचाएगा। इसके साथ ही शनिवार शाम 4:30 बजे तिकोनिया पार्क से कैडल मार्च निकालने का निर्णय लिया गया है। शिक्षक संगठनों ने कहा कि कैडल मार्च के जरिए हत्याकांड के पीड़ित

परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के साथ आरोपियों को जल्द गिरफ्तारी की मांग उठाई जाएगी। शिक्षक संगठनों ने जिले के शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों से काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करने और कैडल मार्च में शामिल होने की अपील की है। संगठनों ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित किए जाएंगे और उनका उद्देश्य हत्याकांड का शीघ्र खुलासा तथा न्याय की मांग को शासन-प्रशासन तक पहुंचाना है।



यूपी में शहजाद भट्टी नेटवर्क पर एटीएस की बड़ी कार्रवाई

लखनऊ समेत 10 जिलों में छापेमारी, 10-15 सदिग्ध हिरासत में

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (ATS) ने पाकिस्तानी आतंकी नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। शनिवार को लखनऊ समेत प्रदेश के 10 जिलों में एटीएस की टीमों ने एक साथ कई सदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान करीब 10 से 15 सदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की जानकारी सामने आई है। एटीएस की यह कार्रवाई पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में सामने आए इनपुट के आधार पर की जा रही है। एजेंसी नेटवर्क से जुड़े नए सदिग्धों की पहचान करने के साथ उनकी भूमिका और आपसी संपर्कों की पड़ताल कर रही है। जांच का दायरा बढ़ते हुए सदिग्धों के घरों और अन्य ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है। एटीएस के अनुसार, पिछले चार महीनों में शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़ी कथित आतंकी गतिविधियों के मामलों में 52 सदिग्धों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। अब तक की पूछताछ और जांच से मिले इनपुट के आधार पर नेटवर्क के अन्य संभावित सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। एजेंसी सदिग्धों के सोशल मीडिया अकाउंट, चैट और अन्य संपर्कों की भी जांच



150 से ज्यादा लोगों की गतिविधियों की जांच

रिपोर्ट के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान 150 से अधिक लोगों के बारे में जानकारी सामने आई है। एटीएस इन लोगों की गतिविधियों, संपर्कों और संभावित नेटवर्क से जुड़े होने की जांच कर रही है। जांच में सोशल मीडिया के जरिए युवाओं से संपर्क करने और उन्हें नेटवर्क से जोड़ने के आरोपों की भी पड़ताल की जा रही है। जिन जिलों में एटीएस की कार्रवाई की जानकारी सामने आई है, उनमें लखनऊ के अलावा सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, अलीगढ़ और मेरठ शामिल हैं। अन्य जिलों में भी सदिग्धों के ठिकानों पर टीमें जांच कर रही हैं।

कर रही है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ के बाद यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि उनका नेटवर्क से किस स्तर तक संपर्क था और उनकी क्या भूमिका

रही है। फिलहाल एटीएस की कार्रवाई जारी है। हिरासत में लिए गए लोगों के संबंध में आगे की कार्रवाई पूछताछ और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर तय की जाएगी।

कांग्रेस ने हमेशा नकारात्मक राजनीति की है: शाह

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश को कई सौगात देते हुए कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तो हमेशा नकारात्मक राजनीति की है। राजधानी भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित गोपालक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि जब से देश आजाद हुआ है तभी से कृषि और ग्रामीण व्यवस्था से जुड़े लोगों की मांग थी कि भारत सरकार एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय बनाए, लेकिन कांग्रेसियों ने 75 साल तक स्वतंत्र मंत्रालय नहीं बनने दिया। नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री आए, जिन्होंने अलग से सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की और इस मंत्रालय के बनने का सबसे बड़ा फायदा गोपालक को होने वाला है। दूध संग्रहण के कार्य में बिचौलियों की



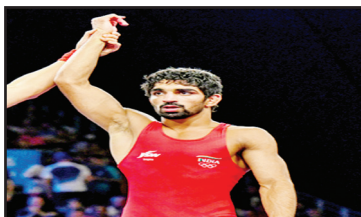
भूमिका का जिक्र करते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि गोपालक खुले बाजार में अगर दूध बेचता है तो शोषण होता है, 35 रुपए प्रति लीटर उसका दूध बिचौलिया ले जाते हैं और मलाई बिचौलिया खाते हैं। अगर कोऑपरेटिव व्यवस्था में दूध बेचेंगे तो 35 की जगह 55 रुपए मिलने की शुरुआत हो

जाएगी। उन्होंने उज्जैन में 255 करोड़ की लागत के दूध प्रोसेस संयंत्र का भूमि पूजन किया। भोपाल में संयंत्र प्रयोगशाला और शिवपुरी में मिनी डेरी प्लांट की सौगात दी। इसके साथ ही पशुपालकों को 12 करोड़ का बोनस वितरित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी अलग-अलग मुद्दों पर हमारा विरोध करते हैं, हम उन्हें हिसाब देने आए हैं। 2014-15 में देश में दूध का उत्पादन 14 करोड़ 60 लाख टन पहुंचा था, और प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल में 14 करोड़ से 25 करोड़ टन तक पहुंचाने का काम किया है। यह इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार जो करती है वह लगन से करती है, पशुपालक के भले के लिए काम करती है। उन्होंने दुग्ध उत्पादन क्षमता का जिक्र करते हुए कहा कि भारत दुनिया भर में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला देश है।

एशियन गेम्स 2026: रेसलर अमन सहरावत ने देश को दिलाया गोल्ड, फाइनल में वर्ल्ड चैंपियन को दी शिकस्त

एजेंसी

नगोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय रेसलर अमन सहरावत ने देश की झोली में एक और गोल्ड मेडल डाला है। अमन ने 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अमन ने रोमांचक फाइनल मैच में वर्ल्ड चैंपियन चोंग-सोंग को 11-7 से हराया। अमन ने एशियन गेम्स में यह लगातार दूसरा मेडल जीता है। पिछले एशियन गेम्स में अमन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। हालांकि, इस बार वह अपने मेडल का रंग बदलने में सफल रहे। एशियन गेम्स 2026 में रेसलिंग में यह भारत का दूसरा गोल्ड मेडल है।



इससे पहले, सुजीत कलकल ने फ्रीस्टाइल स्पर्धा में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में अमन को साउथ कोरियाई पहलवान और वर्ल्ड चैंपियन चोंग-सोंग से कड़ी टक्कर मिली। मैच में अमन पहला प्वाइंट अर्जित करने में सफल रहे। मुकाबले में हुए इंजरी ब्रेक के बाद अमन के खेल में ज्यादा आक्रामकता नजर आई और उन्होंने अपनी बढ़त को 6-1 कर लिया। हालांकि, इसके बाद चों-सोंग ने मुकाबले में वापसी की। चोंग ने न सिर्फ अमन की बढ़त को खत्म किया, बल्कि खुद मैच में लीड हासिल कर ली। मैच के आखिरी एक मिनट में अमन ने एक बार फिर मुकाबले का रुख पलटा और उन्होंने शानदार दांव लगाते हुए चोंग-सोंग के खिलाफ महत्वपूर्ण बढ़त बना ली।

तनीषा मुखर्जी की बड़े पर्दे पर वापसी, 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' में दिखेगा अनोखा सफर

मुंबई। अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की अपकमिंग फिल्म 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' में नजर आएंगी। फिल्म में तनीषा ऐसा किरदार निभा रही हैं जो जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरती है। फिल्ममेकर कपिल ने तनीषा की तारीफ करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री की जरूरत थी जो कहानी में भावनाओं की गहराई और संवेदनशीलता ला सके। कपिल कौस्तुभ शर्मा ने कहा, तनीषा एक ऐसी एक्टर हैं, जिनमें एक खास तरह की भावनात्मक समझ है और इस किरदार के लिए यह बहुत जरूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि इस सफर को कोई पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ पर्दे पर उतारे। कपिल ने आगे कहा, फिल्म 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' मेरे लिए बेहद खास है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम जिंदगी में छिपी खूबसूरती के बारे में है। तनीषा ने अपने किरदार में एक खास तरह की संवेदनशीलता जोड़ी है, जो कहानी के लिए काफी अहम है। 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' की कहानी मुंबई की पारसी कम्युनिटी के बीच सेट है। फिल्म 1990 के दशक से लेकर साल 2025 तक का दौर दिखाती है। इसमें रोमांस, ह्यूमर और इमोशन का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई के असली पारसी घरों और दादर पारसी कॉलोनी में की गई है। फिल्म को पर्दे पर ज्यादा वास्तविक दिखाने के लिए कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ मिलकर भी काम किया। इस दौरान उनकी संस्कृति, रहन-सहन, बोलचाल, तौर-तरीकों और डायलेक्ट को समझने पर खास ध्यान दिया गया, ताकि फिल्म में कम्युनिटी की जिंदगी को सही तरीके से दिखाया जा सके। फिल्म की कहानी लिखने के साथ कपिल कौस्तुभ शर्मा ने इसे डायरेक्ट भी किया है। इसके अलावा, वह फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। कपिल फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसकी कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों को दिखाती है। किरदार के उम्रदराज हिस्से को पर्दे पर दिखाने के लिए उन्होंने लुक में फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है। फिल्म में सुष्मिता मुखर्जी, परवीन दस्तूर, डेलनाज ईरानी, तनाज ईरानी, शाहरुख साइरस ईरानी, डॉली ठाकोर और अनन्या दत्ता जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'जिंदगी फिर भी खूबसूरत है' को पहले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सर्किट में ले जाने की तैयारी है। इसके बाद फिल्म को थिएटर्स में रिलीज किए जाने की उम्मीद है।



अपना घर, अपनी पहचान

अपना सपना, अब आपके अपने प्लॉट पर!

अपna Ghar, Apni Pehchan
LAXMI VIHAR Ke Saath!
Zila Panchayat Lucknow Approved

कीमत शुरू मात्र
₹1799/-
प्रति वर्ग फुट (कुल)

- ✓ जिला पंचायत लखनऊ द्वारा स्वीकृत
- ✓ गेटेड कम्युनिटी
- ✓ चौड़ी सड़कें
- ✓ बिजली एवं पानी की सुविधा
- ✓ हरियाली से भरपूर वातावरण

जमीन खरीदना खर्च नहीं, भविष्य को सुरक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका है।

आज निवेश करें, कल सुरक्षित भविष्य बनाएं!

9580456295

सुरक्षित आपका भविष्य | परिवार के लिए सर्वोत्तम | उच्च निवेश का अवसर | कानूनी रूप से पारदर्शी

Laxmi Vihar, गोसाईगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश